RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना

समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 2 अंक 1 | मूल्य - रू.1/- | जनवरी 2017 | पृष्ठ - 8

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2

मंथन: कॉम्प्युटराईज़ेशन से
डिजिटलाईज़ेशन की यात्रा और हम 3

बी जे एस गतिविधियाँ .....4 - 5

प्रतिभाएँ-जो हमारी प्रेरणा के स्त्रोत है.....6

अल्पसंख्यक सूचनाएँ,
गतिविधियाँ एवं समाचार 7

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से

प्रिय आत्मजन,

निश्चित गति एवं अविरतता ही समय की विशेषता है. वर्तमान कैलेंडर वर्ष का समापन एवं नव-वर्ष का प्रारम्भ, समय चक्र की गति से फलित प्रतिवर्ष घटित होने वाली महत्वपूर्ण घटना है.

वर्ष 2016, देश व दुनिया के लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण बन पड़ा. अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार श्री डोनाल्ड ट्रम्प की विजय, यूरोपियन यूनियन से बाहर निकलने हेतु ब्रिटेन में जनमत, अमेरिका व रशिया के मध्य बढ़ता तनाव, क्यूबा के महानायक श्री फिडेल कास्त्रो का निधन आदि अनेक घटित हुई घटनाएँ, आगामी वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में आने वाले भीषण तूफानों का संकेत है. न्यूज़ीलेंड के सफलतम प्रधानमंत्री श्री John Key का परिवार व संतानों को समय देने हेतु पदत्याग, परिवार एवं समाज के महत्व को दर्शाता विश्व को दिया गया श्रेष्ठ संदेश है.

वर्ष 2016 में महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक एवं सामरिक घटनाएँ देश में घटित हुई. सार्क सम्मेलन का पाकिस्तान में आयोजन का रद्द होना महत्वपूर्ण घटना थी. एशियाई देशों द्वारा पाकिस्तान पर आतंकवाद समाप्त करने हेतु बनाया गया दबाव, आतंकवाद मुक्त विश्व के निर्माण में मील का पत्थर साबित होने संभावना है. लगभग गत 3 दशकों से आतंकवादी गतिविधियों एवं भारतीय सीमाओं पर पाकिस्तानी हमलों के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का वृहद स्तर पर भारत को समर्थन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा सकता है. पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने लगाने हेतु भारतीय सेना द्वारा की गई शौर्यमयी 'सर्जिकल स्ट्राईक' का विश्व समुदाय द्वारा समर्थन निश्चित ही महत्वपूर्ण सामरिक घटना बनी, जिससे देश में राष्ट्रीय वैचारिकी का नव-कल्प संभव हुआ. रू.500 व 1000 के चलन का विमुद्रीकरण, वर्ष के उत्तरार्ध की अत्यंत ही महत्वपूर्ण घटना बन पड़ी है, क्योंकि स्वतन्त्रता के पश्चात पहली बार व्यवस्थाओं में परिवर्तन की रणभेरी फूँक कर भ्रष्टाचार को समाप्त करने का बीड़ा उठाया गया. दुष्कर व जड़ कर गई अव्यस्थाओं को नेस्तनाबूद करने की इस पहल को हम सभी का पूर्ण समर्थन, नए समाज के निर्माण में सहायक होगा.

आईये! वर्ष 2017 का नई आकांक्षाओं, उत्साह एवं उमंग के साथ स्वागत करें. नव वर्ष में सुखी परिवार व सामाजिक सुव्यवस्थओं के बल बूते पर देश को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में ले जाने का नवसंकल्प करें. बदलते समय की नज़ाकत को समझते व परखते हुए आगामी दो वर्षों हेतु 'Time for change & Change for time' की अवधारणा पर कार्यरत होने का निश्चय नवंबर, 16 में आयोजित चेन्नई अधिवेशन में लेकर विविध निर्धारित लक्ष्यो को समयबद्धता के साथ हासिल करने का संकल्प ही भारतीय जैन संघटना की विशिष्ट कार्यशैली एवं राष्ट्र निर्माण में उसके रचनात्मक अंशदान का परिचायक है.

मित्रों! पिछले एक दशक में तकनीकी की लंबी छल्लांग ने हमारे दैनिक जीवन को अकल्पनीय सीमाओं तक प्रभावित ही नहीं किया अपितु अब समस्त मानव जीवन ही नए स्वरूप में परिभाषित हो रहा है. आधुनिक तकनीकी के साथ कम्प्युटर युग में प्रवेश अब बहुत ही प्राचीन सी घटना हो गई है. मानव जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित करती नवीन डिजिटल तकनीकी अपरिहार्य रूप से हम सभी के लिए आवश्यक बन गई है. क्या हम इसके लिए सुसज्ज हैं? डिजिटल तकनीकी क्या है? इसका अर्थ एवं महत्व क्या है? इस विषय पर स्थायी स्तम्भ "मंथन" में सारगर्भित लेख पढ़ कर विषय को समझने हेतु आप सभी से प्रार्थना करता हूँ. कोम्प्यूटराईजेशन से डिजिटलाईज़ेशन की प्रारम्भ हो चुकी इस यात्रा में समस्त जैन समाज को 'समय हे बदलाव का व समय के साथ हमें स्वयं को बदलना है' की अवधारणा के साथ जुड़ना ही होगा. समय के साथ न चल पाना अब जोखिमकारक है. जैन समाज बदलती अग्रिम तकनीकी के साथ सुसंगतता प्राप्त करे, यह नितांत आवश्यक है.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुवाँ जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई सुरेश कोठारी, अहमदाबाद सुदर्शन जैन, बड़नेरा, वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, संजय सिंघी, रायपुर, राजेंद्र लुंकड़, इरोड़

मंथन

कॉम्प्युटराईज़ेशन से डिजिटलाईज़ेशन की यात्रा और हम

पिछले कुछ दशकों को विश्व के समस्त मानवों को स्पर्श करते सभी क्षेत्रों को आधुनिक एवं नवीन टेक्नोलॉजी ने अकल्पनीयरूप से प्रभावित किया है. लगभग 3 दशकों पूर्व हुए कॉम्प्युटर के आविष्कार की बदौलत 21वीं सदी के प्रारम्भ में नवीन तकनीकी क्रांति का सूत्रपात हुआ. रहन-सहन, तौर-तरीकों, शिक्षण, व्यवसाय, संदेश व्यवहार, स्वास्थ्य आदि सभी क्षेत्रों में संभावनाओं एवं कल्पनाओं की सीमाओं से कोसो दूर, यह तकनीकी क्रांति हमें क्षितिजीय अनंतताओं के पार लेजाने को लालायित है. इस नवीन तकनीकी क्रांति के फलस्वरूप कॉम्प्युटर से डिजिटलाईज़ेशन की प्रारंभ हुई यह यात्रा चमत्कारिक आविष्कारों से मात्र अचंभित ही नहीं कर रही अपितु हमें इसका हिस्सा बनने को बाध्य कर रही है.

वास्तविकता तो यह है कि इस यात्रा में जुड़ने की हमारी सुसज्जता स्वयं में एक बड़ा प्रश्न चिन्ह है जिस पर गहन रूप से मंथन कर योजनाओं पर कार्यरत होने की आवश्यकता है. विश्व की 40% से अधिक जनसंख्या आज भी कॉम्प्युटर टेक्नोलॉजी को हस्तगत करने में असमर्थ है और जो कॉम्प्युटर टेक्नोलॉजी से परिचित हैं वे भी डिजिटलाईज़ेशन की इस यात्रा में जुड़ने में असुविधा अनुभव कर रहे हैं. 'अमीरी-गरीबी' एवं 'साक्षरता-निरक्षरता' की खाईयों ने वैश्विक सामाजिक व्यवस्थाओं के समक्ष सदैव ही चुनौतियाँ खड़ी की हैं किन्तु इससे भी खतरनाक चुनौतियाँ 'डिजिटल ईल-लिटेरेसी' के संदर्भ में उत्पन्न होने की संभावना है. टेक्नोलॉजी के डिजिटलाईज़ेशन के संदर्भों में अनेक देशों में अनुसंधान कार्य प्रगति पर है जिससे हाल ही में 'डिजिटल नेटिव' या 'डिजिटल ईमीग्रेंट' जैसे शब्द परिभाषित हुए हैं. निकट भविष्य में यदि आप कोई फार्म भर रहे हैं तो यह पूछा जाएगा कि आप'डिजिटल नेटिव' है या 'डिजिटल ईमीग्रेंट'?. इसका अर्थ यह है कि आपका जन्म 'डिजिटल युग' में हुआ है या इससे पूर्व. वह दिन दूर नहीं जब सभी नागरिकों को उनकी पहचान 'डिजिटल साक्षर' या 'डिजिटल निरक्षर' के रूप में देनी होगी. अब 'कॉम्प्युटर साक्षरता' एवं 'डिजिटल साक्षरता' में भेद रेखांकित हो रहे हैं. यदि आप घर एवं कार्यालय में व्यवसाय या अन्य कार्यों में कॉम्प्युटर का महत्तम उपयोग नहीं करते हैं तो आप 'कॉम्प्युटर निरक्षर' हैं तथा आप स्मार्टफोन, ऑनलाइन व्यवहार (transactions) जैसे इंटरनेट, एप्लीकेशन्स, डेटा-ट्रांसफर, फ़ाईलिंग, सर्च आदि में कुशल नहीं है तो 'डिजिटल निरक्षर' हैं. अभी तक विश्व में शारीरिक या मानसिक रूप से अपंग व्यक्ति दिखाई देते रहे हैं किन्तु अब 'टेक्नोलॉजीकली अपंगों' की दुनिया का निर्माण हो रहा है.

भारत जैसा विकासशील देश कॉम्प्युटर साक्षरता में बहुत ही पीछे है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में कॉम्प्युटर मात्र 30% जनसंख्या की पहुँच में है. ऐसी स्थिति मे हमारी समग्र 'डिजिटल साक्षरता' की कल्पना निरर्थक है. हमें प्रतिस्पर्धा में बने रहने एवं अग्रिम पंक्ति मे स्थान पाने हेतु 'डिजिटली सशक्त' होना अनिवार्य है, जिस हेतु डिजिटल गजेट्स, एप्लीकेशन्स आदि पर प्रभुत्व पाकर इनका महत्तम उपयोग दैनिक जीवन में करना होगा.

प्रत्येक विद्यालय में सभी वर्गों हेतु कॉम्प्युटर एवं डिजिटल साक्षरता को अनिवार्य किया जाना चाहिए. वर्तमान परंपरागत शिक्षण पद्धति जैसे कि ब्लेकबोर्ड, चाक-डस्टर, पुस्तक, नोटबुक, लिखित परीक्षाएँ आदि की प्रणाली को बदलने की आवश्यकता होगी. डिजिटली ऑनलाईन एवं विडियों कोंफेरेंसिंग, ऑन-स्क्रीन लेक्चर्स या वर्चच्युअल टूर्स द्वारा शिक्षण पद्धति में परिवर्तन अनिवार्य होगा. सरकार एवं शिक्षा शास्त्रियों को इस मुद्दे पर चिंतन करना ही होगा क्योंकि आगामी दो दशकों की अवधि में स्मार्टफोन, एप्स, वर्चच्युअल विश्व एवं आर्टिफ़िशियल इंटेलीजेंस की दुनिया बस चुकी होगी और यदि हम निरक्षर हुए तो? अब डिजिटल पावर से ही प्रबुद्धता एवं समृद्धि प्राप्त की जा सकेगी.

वैश्विक मानव समुदाय आधुनिक टेक्नोलॉजी को अपनाए या अपनाने हेतु सुसज्ज हो उससे पूर्व ही डिजिटल क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है. विश्व के वो सभी नागरिक जो अब कॉम्प्युटर साक्षरता प्राप्त करते हैं तो उन्हें हम प्रथम जनरेशन कहेंगे किन्तु उस समय तक डिजिटल टेक्नोलॉजी तृतीय जनरेशन से भी आगे निकल चुकी होगी. विश्व के अल्प विकसित या विकासशील देश डिजिटली सशक्त नहीं होंगे तो इनका भावी कितना भयानक होगा? यह किसी देश की नहीं अपितु समस्त विश्व हेतु चिंता का विषय है, क्योंकि अब प्रत्येक के लिए डिजिटल टेक्नोलॉजी को अपनाने के सिवाय कोई अन्य विकल्प नहीं है.

जहां तक भारत देश व देशवासियों का प्रश्न है, निश्चित ही विचारणीय स्थिति है क्योंकि आवश्यकतानुसार संरचनागत स्थापन एवं विकास जो सर्व-साधारण द्वारा डिजिटल टेक्नोलॉजी अपनाने हेतु चाहिये, प्रारम्भिक दौर से गुजर रहा है. जिन क्षेत्रों में सुविधाएँ उपलब्ध हैं वहाँ हमारे दैनिक जीवन में इसके महत्तम उपयोग की मानसिक सुसज्जता बनाने हेतु जनजागृति की आवश्यकता है. देश के नागरिकों विशेषकर शिक्षितों को देशवासियों के जीवन को उन्नत करने हेतु उनके रचनात्मक योगदान का यह उपर्युक्त समय है.

क्या आप डिजिटल सिटीज़न हैं ?

श्री मार्क प्रेन्स्कीनी जो इलीनोईस युनिवर्सिटी (USA) मे प्रोफेसर हैं, इन्फार्मेशन टेक्नोलोजी एवं बदलते युग पर प्रगतिशील विचारों के साथ नीतिविषयक मार्ग दर्शन प्रदान करते हैं. आपने डिजिटल सिटिज़न की अवधारणा को प्रस्तुत किया है. जो निम्न मापदंडो पर खरे उतरेंगे वे ही 'डिजिटल सिटिज़न' कहलाएंगे :

(1) डिजिटल एक्सेस (2) डिजिटल कामर्स
(3) डिजिटल कम्यूनिकेशन (4) डिजिटल लिटरेसी
(5) डिजिटल एटीकेट (6) डिजिटल लॉ
(7) डिजिटल राइट्स (8) डिजिटल हेल्थ
(9) डिजिटल सिक्युरिटी

बीजेएस मेट्रिमोनियल गेट-टू-गैदर

181 युवक-युवतियों ने योग्य जीवन साथी चयन हेतु की सहभागिता

अखिल भारतीय स्तर पर जैन समाज के विवाह योग्य उच्च शिक्षित एवं प्रोफेशनल युवक-युवतियों के लिए बीजेएस मेट्रिमोनियल गेट-टू-गैदर आयोजित हुआ. पुणे के"ओ" होटल में 24 दिसम्बर, 2016 को सम्पन्न इस आयोजन में देश के अनेक राज्यों से 181 युवक-युवतियों ने सहभागिता की.

आज के जमाने में सफल वैवाहिक जीवन के लिए युवा वर्ग आपसी Compatibility को प्राथमिकता देते है. इसी को मद्देनजर रखते हुए युवक/युवतियों ने आयोजित स्पर्धात्मक गतिविधियों में भाग लिया जिससे उनके योग्य जीवन साथी के चयन का मार्ग प्रशस्त हुआ.कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे प्रतिभागियों को 'बायोडाटा बुक' में से उनके व्दारा चिन्हित युवक/युवतियों से आपस में मुलाकात कर बातचीत करने का अवसर प्रदान किया गया.

बीजेएस मेट्रिमोनियल गेट-टू-गैदर में शामिल प्रतिभागियों को वह डाटा भी उपलब्ध करवाया जाता है जो विगत 1 वर्ष में देश भर में आयोजित बीजेएस परिचय सम्मेलन के माध्यम से रजिस्टर्ड हुए हैं एवं बीजेएस के सेंट्रल डाटा में भी उपलब्ध है, जिससे उम्मीदवारों को अधिक 'बायोडाटा' उपलब्ध होता है. बीजेएस द्वारा आयोजित मेट्रिमोनियल गेट-टू-गैदर मात्र युवाओं या अभिभावकों को आपस में परिचय करवाने का मंच ही नहीं है अपितु वैवाहिक जीवनसाथी चयन हेतु सही तरीके से एज्युकेट करने का भी प्रयास है.

उल्लेखनीय है कि देशभर में होने वाले सामान्य परिचय सम्मेलनों से हटकर, बीजेएस आयोजित मेट्रिमोनियल गेट-टू-गैदर में उच्च शिक्षित प्रतिभागी रिश्तों के चयन में सहजता एवं योग्य मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं. ज्ञातव्य रहे कि भारतीय जैन संघटना समाज के अलग-अलग वर्गों के लिए अलग-अलग परिचय सम्मेलनों एवं मेट्रिमोनियल गेट-टू-गैदर का आयोजन देश के कई शहरों में करता है, जिसकी विस्तृत जानकारी बेवसाईट www.bjsindia.org पर प्राप्त की जा सकती है.

विकृति ख़त्म होने की आशा में चेहरों पर छाई खुशियाँ

भारतीय जैन संघटना के नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर में 650 आपरेशन सम्पन्न

कटे – फटे ओंठ एवं तालू की समस्या आदि से विकृत चेहरे के उपेक्षित बच्चों एवं उनके अभिभावकों के चेहरों पर उस समय खुशियाँ छा गई जब भारतीय जैन संघटना द्वारा आयोजित नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर में अमेरिका से आये विश्व विख्यात प्लास्टिक सर्जन पद्मश्री स्व. डॉ. शरद कुमार दीक्षित की टीम के प्लास्टिक सर्जन डा.राज लाला, डा. लैरी वेन्सटाइन, डा. बैरी सिट्रोन, डा. व्हिटनी पफोर्ड, डा. विजय मोरडिया, डा.अमित, डा. कल्याणी एवं गीता मूलचंदानी टीम ने सफलतापूर्वक आपरेशन सम्पन्न किये.

उपेक्षित व निचले तबके के बच्चों की इस गंभीर समस्या के निदान के लिए भारतीय जैन संघटना लगातार 25 वर्षों से नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर का आयोजन कर रहा है. 2016 - 2017 में रजत जयंती वर्ष अंतर्गत देश के विभिन्न शहरों नाशिक में 147, संगमनेर में 112, अहमदनगर में 111, बीड में 70, रिसोड़ में 17, औरंगाबाद में 380, कोल्हापुर में 35 तथा नांदेड में 150, इस तरह कुल 1022 आपरेशन दिसंबर माह मे किये गए. इन शिविरों में 1500 से अधिक मरीजों का परीक्षण किया गया था. जनवरी 2017 में पुणे, नागपुर, हुबली, उज्जैन एवं इंदौर में नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर आयोजित होगें. उल्लेखनीय है कि मानव सेवा के इस विशाल कार्य में विगत ढाई दशकों में 2.5 लाख से भी अधिक मरीजों को लाभान्वित किया जा चुका है.

बी.जे.एस. गर्ल्स फिनिशिंग वर्कशॉप आयोजित

25 दिवसीय आयोजन में 6 राज्यों से 108 किशोरियों ने भाग लिया

कुम्हारी (रायपुर) स्थित कैवल्यधाम में प.पू. अध्यात्मयोगी श्री महेंद्र सागरजी म.सा. एवं प.पू. युवा-मनीषी श्री मनीष सागरजी म.सा. के सानिध्य में भारतीय जैन संघटना, छत्तीसगढ़ द्वारा पारिवारिक संस्कृति की समृद्धता से सिंचित करने के उद्देश्य से जैन समाज की विवाह के दहलीज पर खड़ी युवतियों हेतु 25 दिवसीय बीजेएस फिनिशिंग स्कूल कार्यशाला का शुभारंभ 15 दिसम्बर, 2016 को हुआ, जिसका समापन 8 जनवरी, 2017 को होगा.

छत्तीसगढ़ राज्याध्यक्ष श्री प्रमोद लुनावत ने बताया कि धर्म , संस्कृति एवं सामाजिक परिवर्तनों को ध्यान में रखकर इस कार्यशाला को डिजाईन किया गया है, जिसमें योगा, एरोबिक्स, मेडिटेशन, धार्मिक एवं सामाजिक मूल्यों के विकास, कुकिंग, फैशन, ब्यूटी-नॉलेज, एटिकेट, कम्युनिकेशन स्किल, पर्सनालिटी डेवलपमेंट जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों को समाहित किया गया है.

फेडरेशन ऑफ जैन एज्यूकेशनल इंस्टीट्यूटस के राज्य अध्यक्षों की सभा 17 दिसंबर को पुणे में सम्पन्न

10 राज्यों में फेडरेशन ऑफ जैन एज्यूकेशनल इंस्टीट्यूटस के नव-नियुक्त राज्याध्यक्षों, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वल्लभ भंसाली सहित भारतीय जैन संघटना के पदाधिकारिगण एवं श्री शांतीलाल मुथ्था ने सभा में भाग लिया. उपस्थित महानुभावों के परस्पर परिचय के उपरांत श्री प्रफुल्ल पारख ने बी.जे.एस. का परिचय प्रस्तुत किया. श्री मुथ्था ने FJEI की 13 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डाला व वर्तमान में FJEI की आवश्यकताओं पर चर्चा की. आपने संस्था के विज़न, मिशन एवं लक्ष्यों पर उपस्थित महानुभावों के सुझाव आमंत्रित किए व FJEI के draft concept पर टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने हेतु निवेदन किया. FJEI के श्री केदार तापीकर ने FJEI के उपलब्ध राज्यवार network का data प्रस्तुत करते हुए इसे पूर्ण करने की चुनौतियों पर चर्चा की. राष्ट्रीय अध्यक्ष, राज्याध्यक्षों आदि की भूमिकाओं एवं उत्तरदायित्वों पर चर्चा हुई व राज्य परिषदों के गठन संबंधी विषय पर यह निर्णय लिया गया कि सभी राज्याध्यक्ष उनके राज्यों में FJEI राज्य परिषद के गठन हेतु उत्तरदायी होंगे. प्रथम चरण में, FJEI के State Convention 6 माह की अवधि में प्रत्येक राज्य में आयोजित किए जाएँगे जिसमें शिक्षण संस्थानों के ट्रस्टी, प्रधानाचार्य आदि सहभागिता करेंगे.

श्री अजित सुराणा, राज्याध्यक्ष, FJEI महाराष्ट्र ने सभा में सहर्ष घोषणा की कि महाराष्ट्र में राज्य अधिवेशन 8 जनवरी, 2017 को श्री नेमिनाथ जैन ब्रम्हचर्य आश्रम (जैन गुरुकुल), चान्दवड, जिला–नाशिक में आयोजित किया जाएगा व सभासदों से इस विषय पर विगतवार चर्चा की.

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वल्लभ भंसाली ने सदस्यता शुल्क के संबंध में प्रस्ताव रखते हुए कहा कि राज्य अधिवेशनों के सम्पन्न होने के पश्चात ही शिक्षण संस्थानों के पंजीयन का कार्य प्रारम्भ किया जाना चाहिए. आपने पंजीयन शुल्क के रूप में रू. 5000 एवं रू. 10000 क्रमशः ग्रामीण एवं शहरी संस्थानों हेतु प्रति 5 वर्ष की अवधि हेतु प्रस्तावित किया.

जैन शिक्षण संस्थानों के समक्ष विविध चुनौतियों जैसे- शिक्षण गुणवत्ता, संरचनात्मक विकास, ग्रामीण एवं शहरी संस्थानों की चुनौतियों में विविधताएँ आदि मुद्दों पर गहन चर्चा हुई व चुनौतियों का सामना करने की यंत्रणा विकास हेतु FJEI द्वारा पहल की जानी चाहिए.

श्री वल्लभ भंसाली ने समापन संबोधन में सामूहिक प्रयासों के महत्व पर बल देते हुए कहा कि शिक्षण क्षेत्र में "जैन" एक ब्रांड बनकर उभरे ताकि 'गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा सभी के लिए' हेतु को सिद्ध किया जा सके. बीजेएस राष्ट्रीय महासचिव श्री राजेंद्र लुंकड़ ने सभा को आश्वस्त किया कि FJEI की राज्य परिषदों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा. बीजेएस सचिव श्री गौतम बाफना ने सभी का आभार व्यक्त किया.

भारतीय जैन संघटना एवं पानी फाउन्डेशन का दुष्काल मुक्ति संयुक्त अभियान

सुप्रसिद्ध सिने अभिनेता श्री अमीर खान, उनकी पत्नि किरणराव एवं डायरेक्टर श्री सत्यजीत भटकल ने प्रसिद्द सीरियल 'सत्यमेव जयते' के माध्यम से देश की अनेकों समस्याओं को जाना व समझा. इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र में जल के अभाव में सिचाई की समस्या से जूझ रहे किसानों और गाँवों की समस्या को गंभीरता से पहचाना. महाराष्ट्र को दुष्काल मुक्त करने का साहसिक निर्णय लेते हुए उन्होंने 'पानी फाउन्डेशन' की स्थापना की.

पानी फाउन्डेशन' ने गाँवों को पानी की समस्या से मुक्त करने हेतु ग्रामवासियों को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया ताकि समस्या का स्थायी हल ढूंढा जा सके. स्वयं के श्रमदान से गाँव का पानी गाँव में रोकने, उसे जमीन में उतारने व गाँव की भौगोलिक परिस्थितियों अनुसार इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप करने व पानी का बेहतर नियोजन करने का प्रशिक्षण देने की कार्ययोजना का शुभारंभ किया गया.

वर्ष 2016 में बीड जिला के अम्बेजोगाई, अमरावती में वरुड व सातारा में कोरेगांव तालुकाओं का चयन इस अभियान के प्रथम चरण में किया गया. 116 गाँवों ने इस अभियान में हिस्सा लिया. प्रत्येक गाँव के 5 व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया. गाँवों के बीच पानी के बेहतर नियोजन हेतु 1 अप्रैल से 15 मई तक 45 दिन की 'वाटरकप स्पर्धा' का आयोजन किया गया. स्पर्धा के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार स्वरूप रू.50 लाख, द्वितीय रू.30 लाख, तृतीय रू.20 लाख प्रदान किये गए.

भारतीय जैन संघटना – पानी फाउन्डेशन की संयुक्त कार्ययोजना

अभिनेता श्री अमीर खान एवं भारतीय जैन संघटना के संस्थापक श्री शान्तीलाल मुथ्था ने मुलाक़ात व चर्चा की. श्री मुथ्था ने बताया कि भारतीय जैन संघटना के पास कार्यकर्ताओं का पूरे देश भर में नेटवर्क है व उसे 30 वर्षों का सामाजिक क्षेत्र एवं 25 वर्षों का आपदा क्षेत्र में जैसे-भूकंप, दुष्काल, सुनामी, तालाबों का गहरीकरण एवं व्यवस्थापन का गहरा अनुभव है.

बीजेएस के अनुभव, नेटवर्क एवं श्री मुथ्था के महाराष्ट्र को दुष्काल मुक्त करने की संकल्पबद्धता से प्रभावित श्री अमीर खान ने आगामी वर्षों में 'बीजेएस एवं पानी फाउन्डेशन' द्वारा संयुक्त रूप से कार्य करने का निर्णय लिया.

बीजेएस संस्थापक श्री शान्तीलाल मुथ्था, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख, को-आर्डिनेटर श्री सुदर्शन जैन, पानी फाउन्डेशन के श्री सत्यजीत भटकल(CEO), रीना दत्ता (COO) एवं दोनों संस्थाओं के कार्यकर्ताओं ने नवम्बर माह में बीड-अम्बेजोगाई, अमरावती-वरुड व सातारा-कोरेगांव का दौरा किया. वर्ष 2017 में भी 'वाटर कप स्पर्धा' का आयोजन किया जाएगा. महाराष्ट्र के 10 जिलों के 30 तालुकों के लगभग 3000 गाँवों को जल संकट से मुक्ति हेतु श्रमदान कार्य करने का प्रशिक्षण ग्रामवासियों को देने की कार्ययोजना को अंजाम दिया जा रहा है.

प्रतिभाएँ - जो हमारी प्रेरणा के स्रोत हैं

इनसे मिलिए

भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय महामंत्री

श्री राजेंद्र लुंकड़, ईरोड, तमिलनाडू

जालोर में जन्में श्री राजेंद्र लुंकड़ की प्रारम्भिक शिक्षा पचपद्र, जिला-बाड़मेर में हुई. आपने स्नातक शिक्षण Symbiosis College, पुणे से प्राप्त कर विश्वविद्यालय में दूसरे स्थान पर रहकर स्वर्ण पदक अर्जित किया. श्री शान्तीलालजी मुथ्था से प्रेरणा प्राप्त कर आप वर्ष 2007 में भारतीय जैन संघटना से जुड़े. आप भा.जै.सं. तमिलनाडू के संस्थापक अध्यक्ष हैं. राज्याध्यक्ष पद के उत्तरदायित्वों का 4 वर्षों तक निर्वहन करते हुए आपने राजस्थानी व जैन समुदाय में समाज व सामाजिक कार्यों के प्रति जागृति लाने में अद्वितीय सफलता प्राप्त की.

श्री लुंकड़ भा.जै.सं. के सर्वाधिक युवा राष्ट्रीय पदाधिकारी हैं. हाल ही में चैन्नई में सम्पन्न राष्ट्रीय अधिवेशन में आपको राष्ट्रीय महामंत्री पद का उत्तरदायित्व प्रदान किया गया. आप भा.जै.सं. के युवती एवं युगल सक्षमीकरण कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक हैं. विभिन्न राज्यों में आयोजित किये जा रहे युवती एवं युगल सक्षमीकरण कार्यशालाओं के माध्यम से आप युवतियों एवं युगलों को सक्षम कर उनके जीवन को प्रकाशित करने का कार्य अविरत रूप से कर रहे हैं. विभिन्न संस्थाओं से भा.जै.सं. की मिलकर कार्य करने की योजना को मूर्तरूप देने में आपकी प्रभावी भूमिका रही है.

आप कुशल परामर्शदाता हैं व 100 से अधिक युगलों को परामर्श देकर पति-पत्नि के संबंधों को प्रगाढ़ एवं मधुर बनाने में सफल रहे हैं. विद्यार्थियों एवं युवाओं से विचार-विमर्श करना, उन्हें अच्छे कार्यक्रमों में भाग लेने हेतु प्रेरित करना आपकी अभिरुचियों में शामिल है. आपने प्लास्टिक सर्जरी व कृत्रिम अंग शिविर चैन्नई व ईरोड में आयोजित किए. प्रकृति से आध्यात्मिक श्री लुंकड़ स्वाध्याय शिविरों में नियमित भाग लेते हैं, आप स्वाध्याय संघ,जोधपुर के भू.पू.निदेशक रह चुके हैं. आप स्वयं तो सामुदायिक सेवाओं हेतु प्रेरित हुए ही हैं साथ ही आप अन्य को भी प्रेरित करते हैं. आपने श्री स्थानकवासी जैन संघ, जोधपुर के युवा निर्देशक होने का गौरव प्राप्त किया है. आप श्री अ.भा.जैन रत्न युवक परिषद् के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष हैं. भा.जै.सं. के संघटनात्मक स्वरूप को राष्ट्रव्यापी बनाने हेतु आप प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं. श्री लुंकड़ राजस्थान व गुजरात राज्यों के प्रभारी हैं व इन राज्यों में आपने भा.जै.सं. को स्थापित कर स्वयं को कुशल सामाजिक नेतृत्वकार के रूप में प्रस्थापित किया है.

42 वर्षीय श्री लुंकड़ श्रेष्ठ वक्ता, उम्दा प्रेरक एवं करुणामयी हृदय के साथ-साथ आकर्षक व्यक्तित्व के धनी हैं. आप केलिको मिल्स के संस्थापक हैं व आपके प्रतिष्ठान बालोतरा, पाली (राज.), मुंबई व ईरोड में हैं. आप गत 18 वर्षों से टेक्सटाईल का सफल व्यवसाय कर रहे हैं.

e-mail - rajulunker@yahoo.co.in

हमें इनपर गर्व हैं

भारतीय जैन संघटना के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री

श्री महेश कोठारी, गोंदिया

गोंदिया (महाराष्ट्र) निवासी श्री महेश कोठारी का जन्म 1954 में हुआ. आपने बी.काम. की डिग्री वर्ष 1978 में प्राप्त की. युवा काल से ही आप सामाजिक भावनाओं से ओत-प्रोत रहे व सामाजिक तथा धार्मिक गतिविधियों के अतिरिक्त शिक्षण संस्थाओं के विकास एवं मूल्यवर्धन शिक्षण पर सदैव कार्यरत रहे हैं.

आप सकल समाज समिति-गोंदिया के मुख्य सचिव, गोंदिया Jaycee Club के निदेशक, श्री समर्थ एज्युकेशन सोसायटी-गोंदिया के संरक्षक, इंडियन रेडक्रास सोसायटी एवं गोंदिया पुस्तक कोष व महाकौशल मूर्ति पूजक संघ के आजीवन सदस्य तथा State Youth Congress के सचिव हैं. युवा काल से ही आपकी समाज को प्रदत्त सेवाओं के फलस्वरूप आप 'जैन प्रदीप', 'समाज गौरव', 'Best Jaycee Award', 'Outstading Secretary', 'Best Compare'- रेडक्रास द्वारा 'Valuable Service Award' लोकमत द्वारा एवं 'Best Social Worker' से सम्मानित हुए हैं.

आपने भारतीय जैन संघटना के महामंत्री पद का उत्तरदायित्व बखूबी निभाया एवं संस्था को पूर्ण राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने हेतु अथक प्रयास किये. आपने भारतीय जैन संघटना के उत्तर प्रदेश राज्य प्रभारी के रूप में राज्य के प्रत्येक नगर/शहर में संस्था की स्थापना कर समजपयोगी कार्यक्रमों का योजनाबद्ध आयोजन करवाया. आप भारतीय जैन संघटना की सहायक संस्था फेडरेशन आफ जैन एज्युकेशनल इंस्टीटयूटस् के ट्रस्टी सक्षमीकरण कार्यक्रम के प्रशिक्षक रहे. भारतीय जैन संघटना में प्रशासनिक व संघठानात्मक उत्तरदायित्वों के नियमित निर्वहन के अतिरिक्त युवाओं को निर्देशित करने हेतु युवती एवं युगल सक्षमीकरण कार्यशालाओं में बतौर प्रशिक्षक बहुमूल्य सेवाएं प्रदान करते रहे हैं. सामाजिक सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में जुड़े श्री महेश कोठारी कुशल व ओजस्वी वक्ता है व सामाजिक समस्याओं व उनके समाधान आदि विषय पर श्रोताओं को बांधे रखने में आपको महारथ हासिल है. विभिन्न सामाजिक समस्याओं से समाजजन को अवगत कराने हेतु आप नियमित रूप से भारत भ्रमण कर रहे हैं. श्री कोठारी पिछले 20 वर्षों से भारतीय जैन संघटना से सक्रिय रूप से जुड़े हुए है. आपने गत वर्षों में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश आदि राज्यों में Guide एवं Mentor की भूमिका में भारतीय जैन संघटना की स्थापना हेतु परिणामलक्षी परिश्रम किया है.

e-mail : mahesh_kothari9@yahoo.com

युवा प्रतिभा :

श्री निवलकर गजानन

श्री निवलकर गजानन जिसने शतप्रतिशत रूप से किया डिजिटल गाँव का निर्माण

श्री गजानन ने महिलाओं तथा बच्चों सहित 160 किसान परिवारों का जीवन रूपांतरित कर उन्हें पूर्णरूप से डिजिटल बनाया. भारत मे छः लाख गाँव हैं और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में तो डिजिटल साक्षरत की कल्पना ही निरर्थक है, किन्तु तेलांगना के गिम्मा गाँव में जन्में श्री गजानन ने ग्रामीण भारत को नव-स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से असंभव को संभव कर दिखाने का बीड़ा उठाया. वर्ष 2010 में श्री गजानन ने उनके गाँव में कोम्प्यूटर बसाया व सरकार के ई-गवरनेस कार्यक्रम के तहत एक Common Service Centre की स्थापना कर गाँव वालों को सरकार की विभिन्न योजनाओं में ऑन-लाईन आवेदन करना आदि सेवाएँ देना प्रारम्भ की.

भारत सरकार के National Digital Literacy Mission से प्रभावित होकर स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के कर्मियों को कोम्प्यूटर के प्रयोग का प्रशिक्षण देना प्रारम्भ किया. इससे प्रोत्साहित हो कर उन्होने सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मध्य डिजिटल साक्षरता का प्रचार किया. इसके पश्चात उन्होने उनके गाँव के सभी बड़े छोटे महिला पुरुषों को डिजिटल साक्षर बनाने के संकल्प लिया. गाँव-जन को अलग वर्गों में प्रातः 7 से रात्रि 12 बजे तक शिक्षण प्रदान कर उन्होने सुनिश्चित किया कि वे इस क्षेत्र में साक्षर बन रहे हैं. श्री गजानन ने उनके स्वयंके डिजिटल ज्ञान को 160 किसान परिवारों के जीवन को उन्नत करने हेतु प्रयोग किया. राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत एसे शिल्पी को भारतीय जैन संघटना प्रणाम करता है.

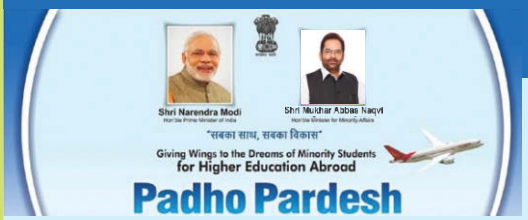

पढ़ो परदेश

विदेश में अध्ययन हेतु शैक्षिक ऋण पर ब्याज राहत की योजना

उद्देश्य (Aims & Objectives)

इस योजना का उद्देश्य अधिसूचित धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों से सम्बद्ध मेघावी छात्र/छात्राओं को विदेश में उच्च शिक्षा हेतु लिए गए शैक्षिक ऋण पर देय ब्याज में राहत प्रदान कर सहायता करना है ताकि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर जीवन को उन्नत कर सकें. यह योजना अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित एवं नियंत्रित है.

योजना कार्यान्वयन एजेंसियां (Implementing Agencies)

योजना का कार्यान्वयन भारतीय बैंक एसोसिएशन और अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार के मध्य हुए समझौते के अनुरूप भारतीय बैंक एसोसिएशन की सभी सदस्य बैंकों के माध्यम से होता है, जिसमें राष्ट्रीयकृत बैंक, पब्लिक सैक्टर बैंक, शेड्यूल्ड (Scheduled) बैंक, अर्बन कॉ॰ बैंक आदि शामिल हैं. कनारा बैंक (Canara Bank) को इस योजना मे नोडल (Nodal) बैंक घोषित किया गया है.

शैक्षिक ऋण पर ब्याज राहत का प्रकार

अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार की इस योजना में भारतीय बैंक एसोसिएशन की सदस्य बैंक को जिससे ऋण प्राप्त हुआ है, निर्धारित ऋण स्थगन (Moratorium) की अवधि (पाठ्यक्रम अवधि सहित रोजगार पाने के 6 माह या 1 वर्ष, जो भी पहले हो) के लिए ऋण पर लाभार्थी द्वारा देय ब्याज भारत सरकार द्वारा 100% वहन कर ब्याज की रकम का भुगतान सम्बद्ध बैंक को किया जाता है.

पात्रता (Eligibility)

1. लाभार्थी स्नातक (Graduate) होने के साथ भारतीय नागरिक हों एवं स्नातकोत्तर, एम॰फिल॰ तथा पीएच॰डी॰ या समकक्ष पाठ्यक्रमों में विदेश में अध्ययन/अनुसंधान हेतु प्रवेश/पंजीयन (Admission/Registration) लिया/कराया हो.
2. लाभार्थी ने शैक्षिक ऋण योजना के अंतर्गत भारतीय बैंक एसोसिएशन (Indian Bank Association) की देश स्थित किसी सदस्य बैंक से ऋण प्राप्त किया हो.
3. लाभार्थी ने पूर्व में इस योजना के तहत् या अन्य स्त्रोतो से लाभ प्राप्त न किया हो.
4. लाभार्थी की पारिवारिक कुल वार्षिक आय रू॰ 6 (छः) लाख से अधिक न हो.

नियम (Rules)

1. इस योजना में स्नातकोत्तर, एम॰फिल॰ तथा पीएच॰डी॰ पाठ्यक्रमों में विदेश में अध्ययन/अनुसंधान हेतु वहाँ के कॉलेज/विश्वविध्यालयों मे प्रवेश (Admission) लेना अनिवार्य है.
2. योजना के तहत् आवेदन स्वीकृति का आधार सभी अधिसूचित धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के राष्ट्रीय जनसँख्या जनगणना के अनुपात पर होगा तथा महिला लाभार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी.
3. ऋण स्थगन (Moratorium) की अवधि पूर्ण होने पर मूल ऋण राशि या बकाया ऋण राशि पर लाभार्थी द्वारा ऋण वापसी की किश्तों (EMI) के साथ देय ब्याज, समय-समय पर वर्तमान योजना में किए गए परिवर्तनों/ संशोधनों के अनुसार होगा.
4. योजना के तहत् अधिकतम ऋण की सीमा रू॰ 20 (बीस) लाख है.

सूचनाएँ (Information)

1. लाभार्थी को राज्य सरकारों द्वारा दी गई किसी तरह की राहत, योजना के तहत् ऋण लेने की पात्रता में अवरोधरूप नहीं होगी.
2. पारिवारिक आय का अर्थ लाभार्थी के माता-पिता की आय से है. यदि लाभार्थी विवाहित है तो जीवनसाथी (पति या पत्नि) की आय ही पारिवारिक आय में गिनी जाएगी.
3. बैंक अधिकारियों को सूचित करना होगा कि लाभार्थी को 'पढ़ो परदेश' के अंतर्गत शैक्षिक ऋण चाहिए. इस हेतु कनारा बैंक द्वारा पोर्टल प्रारम्भ किया गया है जो प्रत्येक तिमाही अवधि में 2 माह हेतु खुला रहता है व भारतीय बैंक एसोसिएशन की सभी सदस्य बैंकों के प्रयोग व 'पढ़ो परदेश' ऋण आवेदन पत्र स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु उपलब्ध है.
4. योजना के तहत्, अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा किसी भी प्रकार के दस्तावेज़ नहीं मांगे जाते. मात्र बैंक द्वारा मांगे गए दस्तावेज़ों को आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत करें.

With Best Complements from

Balchandar Textiles,
111, Ayakkattur, Cauvery,
Erode-638 007

Balasubramanian Textiles,
362/A4, Parayan Thottam,
Echipatty (PO),
Somanur (CBE)

Akil Impex,
1665, Kumaragounden Pudur,
Kanjapalli (PO),
Annur (CBE)

Sri Anbumani Textiles,
D. Nu. 261/1-C,
Therkuthottam,
Tiruchengodu-637209

SMR Textiles,
Kozhikkalnatham Road,
95-c Thiruman Kadu,
Sindampalayam,
Tiruchengode (TK)

Rathi Studio,
130, Mint Street,1st Floor,
Chennai-600079

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Published on 7th of Every Month
Posted at Market Yard PSO, Pune On-
10th of Every Month

If undelivered Please Return To

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Level IV, Muttha Towers, Loop Road, Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – 411006 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 41200600